This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2576**

Unique Paper Code : **2103100011**

Name of the Paper : **Indian Theories of Consciousness**

Name of the Course : **Philosophy DSE**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. "*Nainaṁ chindanti sastrāṇi nainaṁ dahati pāvakah...*(Bhagavad Gita 2.23). In the light of this verse, explain the transcendental and indestructible nature of the soul.

   ''नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ...'' (भगवद्गीता 2.23) के संदर्भ में आत्मा के पारलौकिक एवं अविनाशी स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

2. Explain the notion of *Adhyāsa* (superimposition) and examine its foundational role in introducing the philosophical framework of the *Brahmasūtra bhāṣya by* Śaṁkarāchārya.

   अध्यास (अधिरोपण) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा शंकराचार्य के ब्रह्म सूत्रभाष्य की दार्शनिक भूमिका के रूप में इसकी आधारभूत महत्ता का परीक्षण कीजिए।

3. Evaluate the arguments given by Jyanta Bhatt in *Nyāya Manjari* for explaining the nature of consciousness.

   न्याय मंजरी में जयंत भट्ट द्वारा चेतना की अवधारणा में दिए गए तर्कों का मूल्यांकन कीजिए।

4. Explain the differences between Śaṁkara's concept of Brahman and the Buddhist concept of non-Self.

   आदि शंकराचार्य के ब्रह्म की अवधारणा और बौद्ध धर्म के अनात्मवाद के सिद्धांत के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

5. Write a note on, how does the analogy "the chariot is merely a conventional name" in the Milindapanha illustrate the Buddhist doctrine of non-self (anattā)?

मिलिंदपञ्ह में ''रथ केवल एक प्रचलित नाम है'' की उपमा बौद्ध अनात्मवाद (अनत्ता) के सिद्धांत को किस प्रकार स्पष्ट करती है ? टिप्पणी लिखिए।

6. Write an essay on the concept of four states of consciousness with reference to *Mandūkya Upaniṣad*.

माण्डूक्य उपनिषद् के संदर्भ में चेतना की चार अवस्थाओं की अवधारणा पर निबंध लिखिए।

7. Discuss in detail King Milinda's questions.

राजा मिलिंद के प्रश्नों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।